दिल्ली इंटरनेशनल पब्लिक स्कूल

षष्ठवर्गीय-संस्कृत

Page No.
Date : 7/04/2020

प्रथमः पाठः — अकारान्त - पुँल्लिङ्गः

↓

ऐसे पुल्लिंग शब्द, जिनके अंत में 'अ' वर्ण आता है। वे अकारान्त पुँल्लिङ्गः कहलाते हैं।
जैसे → छात्रः, काकः, अश्वः आदि।

संस्कृत		हिन्दी अर्थ
(i) सिंहः	-	शेर
(ii) भल्लूकः	-	भालू
(iii) गजः	-	हाथी
(iv) अश्वः	-	घोड़ा
(v) काकः	-	कौआ
(vi) कुक्कुरः	-	कुत्ता
(vii) शुकः	-	तोता
(viii) मयूरः	-	मोर
(ix) शिक्षकः	-	शिक्षक / अध्यापक
(x) कृषकः	-	किसान

Page No.
Date : / /

सर्वेस्तरन्तु दुर्गाणि सर्वो भद्राणि पश्यतु।
सर्वः कामानवाप्नोतु सर्वः सर्वत्र नन्दतु

↓

अर्थात् सभी लोग कठिनाइयों को पार करें, सभी लोग शुभ देखें, सबकी कामनाएँ (इच्छाएँ) पूरी हों, सभी लोग हर जगह आनन्दित (प्रसन्न) रहें।